हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह का महान और धन्य नाम धन्य हो — जो जीवन के रचयिता और दाता हैं। एक बार फिर आपका स्वागत है, जब हम परमेश्वर के वचन का अध्ययन करते हैं — जो हमारे पाँव के लिए दीपक और हमारे मार्ग के लिए प्रकाश है (भजन संहिता 119:105, NKJV)।

क्या आपने कभी सोचा है कि परमेश्वर दुष्ट लोगों को क्यों फलने- फूलने देता है, जबकि वे खुलेआम उसके नाम का विरोध करते हैं? वह इस संसार में बुराई को क्यों अनुमति देता है, जो उसी का है? स्वयं प्रभु यीशु ने एक दृष्टांत के माध्यम से इसका उत्तर दिया:

गेंहूँ और जंगली घास (कुश) का दृष्टांत

मत्ती 13:24–30 (KJV)

24 उसने एक और दृष्टांत उनके सामने रखा और कहा, “स्वर्ग का राज्य उस मनुष्य के समान है जिसने अपने खेत में अच्छा बीज बोया।

25 परंतु जब लोग सो रहे थे, उसका शत्रु आया और गेंहूँ के बीच में जंगली घास बो गया और चला गया।

26 जब पौधे उगे और फल लाने लगे, तब जंगली घास भी दिखाई दी।

27 तब घर के स्वामी के दास उसके पास आकर कहने लगे, ‘हे स्वामी, क्या तूने अपने खेत में अच्छा बीज नहीं बोया था? फिर इसमें जंगली घास कहाँ से आ गई?’

28 उसने उनसे कहा, ‘यह शत्रु ने किया है।’ दासों ने उससे कहा, ‘क्या तू चाहता है कि हम जाकर उन्हें उखाड़ दें?’

29 उसने कहा, ‘नहीं; ऐसा न हो कि जंगली घास उखाड़ते समय तुम गेंहूँ को भी उखाड़ डालो।’

30 दोनों को कटनी तक एक साथ बढ़ने दो; और कटनी के समय मैं कटने वालों से कहूँगा, “पहले जंगली घास इकट्ठा करो और उन्हें बंडलों में बाँधकर जलाने के लिए रख दो; परंतु गेंहूँ को मेरे खलिहान में इकट्ठा करो।”’”

एक दिव्य रहस्य: परमेश्वर बुराई को क्यों फलने–फूलने देता है

पद 30 को ध्यान से देखिए — “दोनों को कटनी तक एक साथ बढ़ने दो।”

यह परमेश्वर की योजना का एक गहरा रहस्य प्रकट करता है।

परमेश्वर धार्मिकों (गेंहूँ) और दुष्टों (जंगली घास) दोनों को एक ही संसार में — एक ही देश में, कार्यस्थलों में, और यहाँ तक कि दृश्यमान कलीसिया में — न्याय के नियत समय तक एक साथ रहने की अनुमति देता है।

यह सह-अस्तित्व परमेश्वर की उदासीनता का संकेत नहीं है, बल्कि उसकी धैर्य और न्याय का प्रमाण है। प्रेरित पतरस भी इसकी पुष्टि करता है:

2 पतरस 3:9 (NKJV)
“प्रभु अपनी प्रतिज्ञा के विषय में धीमा नहीं है… वह धीरज रखता है, यह नहीं चाहता कि कोई नाश हो, पर सब मन फिराव तक पहुँचें।”

अर्थात, परमेश्वर का न्याय में विलंब पाप की स्वीकृति नहीं है, बल्कि पश्चाताप के लिए दया है।

दुष्टों की अस्थायी समृद्धि

हम अक्सर देखते हैं कि अधर्मी फलते–फूलते हैं, अन्यायी धनी हो जाते हैं, जबकि धर्मी कष्ट उठाते हैं। लेकिन यह समृद्धि

अस्थायी है, अनन्त नहीं।

दाऊद ने भी यही संघर्ष व्यक्त किया:

भजन संहिता 73:2–5, 17–19 (NIV)
“मैं घमण्डियों को देखकर ईर्ष्या करता था… परन्तु जब मैं परमेश्वर के पवित्र स्थान में गया, तब मैंने उनका अन्त समझा… तू उन्हें विनाश में गिरा देता है।”

परमेश्वर दुष्टों को इसलिए फलने देता है कि अंत समय में उसका न्याय पूर्ण रूप से प्रकट हो।

भजन संहिता 92:7 (NKJV)
“जब दुष्ट लोग घास की नाईं उगते हैं… तो यह इसलिए है कि वे सदैव के लिए नष्ट किए जाएँ।”

और सुलैमान लिखता है:

नीतिवचन 1:32 (NIV)
“मूर्खों की निश्चिंतता उनका विनाश करेगी।”

समृद्धि के बारे में गलत धारणाएँ

आज के समय में शैतान ने कई लोगों को धोखा दिया है कि भौतिक समृद्धि ही परमेश्वर की कृपा का प्रमाण है। वे

3 यूहन्ना 1:2
का हवाला देते हैं: “जैसे तेरी आत्मा समृद्ध होती है…”

पर यहाँ ज़ोर आत्मिक समृद्धि पर है। भौतिक आशीष बिना पवित्रता के व्यर्थ है।

यीशु ने चेतावनी दी:

लूका 12:15 (NKJV)
“सावधान रहो… मनुष्य का जीवन उसकी सम्पत्ति की बहुतायत में नहीं है।”

स्वीकार किए जाने का सच्चा मापदंड: पवित्रता

यदि समृद्धि धार्मिकता का प्रमाण नहीं है, तो क्या है?

उत्तर है — पवित्रता।

इब्रानियों 12:14 (KJV)
“सब के साथ मेल–मिलाप रखें और पवित्रता का पीछा करो, जिसके बिना कोई भी प्रभु को नहीं देखेगा।”

मत्ती 5:8 (NKJV)
“धन्य हैं वे जिनके मन शुद्ध हैं, क्योंकि वे परमेश्वर को देखेंगे।”

अधर्मी संसार में पवित्र जीवन का आह्वान

यह समय सांसारिक लाभ का नहीं, बल्कि पवित्रता और परमेश्वर के साथ गहरे संबंध का है।

गलातियों 5:19–21
चेतावनी देता है कि शरीर के काम करने वाले लोग परमेश्वर के राज्य के वारिस नहीं होंगे।

प्रभु हमें गेंहूँ बनने को बुला रहा है — जड़ वाले, फल लाने वाले, और विश्वासयोग्य — भले ही हम जंगली घास के बीच उग रहे हों। कटनी का समय शीघ्र आ रहा है।

दुनिया के मापदंडों से अपने जीवन को न तौलें

हमारा प्रतिफल अस्थायी समृद्धि में नहीं है, बल्कि मसीह के साथ अनन्त जीवन में है।

रोमियों 2:6–7 (NKJV)
“वह प्रत्येक को उसके कामों के अनुसार प्रतिफल देगा… अनन्त जीवन उन्हें जो भलाई में स्थिर रहते हुए महिमा, सम्मान और अमरता की खोज करते हैं।”

आओ हम उस पवित्रता को खोजें जो हमें आने वाली कटनी के लिए तैयार करती है, ताकि हम स्वामी के खलिहान — उसके अनन्त राज्य — में

संग्रहीत किए जाएँ।

मरान-अथा! प्रभु शीघ्र आने वाले हैं।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp